पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब

कक्षा – छठी

उपविषय --' र ' के विभिन्न रूप

वर्णों का क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित रूप वर्णमाला कहलाता है |

हिंदी की वर्णमाला में वर्णों को दो भागों में विभाजित किया गया है --

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ ए ऐ ओ औ

व्यंजन

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

ड़ ढ़

इस तरह हिंदी वर्णमाला में मूलतः 11 स्वर तथा 35 व्यंजन हैं | व्यंजनों में से एक व्यंजन है ' र '

इसकी एक विशेषता यह कि यह चार प्रकार से लिखा जाता है |

' र ' के विभिन्न रूप

र

रबड़

सूर्य

चक्र

^

मेट्रो

जब (र्) के बाद कोई भी स्वर (ऋ को छोड़कर) आ जाता है तो वह उससे जुड़कर पूरा (र) लिखा जाता है |

जैसे :-

र् + अ = र (रस)	र् + ओ = रो (रोकना)	र् + ऊ = रू (रूठना)
र् + इ = रि (रिश्ता)	र् + आ = रा (राम)	र् + ऐ = रै (रैली)
र् + उ = रु (रुपया)	र् + ई = री (रीढ़)	र् + औ = रौ (रौब)
र् + ए = रे (रेत)		

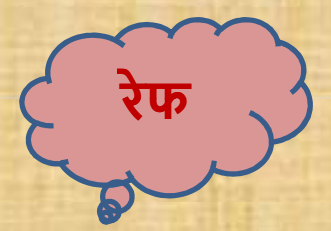

यह रेफ वाला ' र् ' कहलाता है | यह स्वर रहित ' र् ' है ,अर्थात र वर्ण के पैर में हलंत (र्) लिखा जाता है | शब्दो में इसका प्रयोग होते समय यह इसके उच्चारण के बाद आने वाले वर्ण की अंतिम मात्रा के ऊपर अंग्रेज़ी के (C) अक्षर के समान लग जाता है |

उदाहरण :--

क + र् + म ⟶ कर्म	मु + र् + गा ⟶ मुर्गा
का + र् + य ⟶ कार्य	ग + र् + मी ⟶ गर्मी
प + र् + व ⟶ पर्व	व + र् + ष ⟶ वर्ष

पदेन

' र ' से पहले यदि स्वर रहित व्यंजन हो तो यह अपने पहले वर्ण के साथ जोड़ा जाता है और व्यंजन के पैर में लगने के कारण इसे व्याकरण की भाषा में पदेन कहते हैं | इसका प्रयोग दो प्रकार से किया जाता है |

1. पाई वाले स्वर रहित व्यंजनों के साथ इसका प्रयोग एक तिरछी (्) रेखा के रूप में होता है |

उदाहरण :-

क् + र → क्र (क्रम)
प् + र → प्र (प्रेरणा)
ध् + र → ध्र (ध्रुव)
व + ज् + र → (वज्र)
स + म् + रा + ट → (सम्राट)

2. स्वर रहित व्यंजन ‘ ट् ’ और ‘ ड् ’ के साथ ' र ' उल्टे वी (^) के आकार में लगाया जाता है |

जैसे :-

ट् + र = ट्र
ड् + र = ड्र

उदाहरण :-

रा + ष् + ट् + र → राष्ट्र
ट् + र + क → ट्रक
ट् + रे + न → ट्रेन
ड् + रा + मा → ड्रामा
ड् + रा + इ + व + र → ड्राइवर

महत्वपूर्ण बातें

1 . ' र ' द् में तिरछी रेखा के रूप में जुड़ता है।

द् + र = द्र

उदाहरण दरिद्र , रूद्र इत्यादि।

2 . ह् के साथ ' र ' की स्थिति इस प्रकार होती है।

ह् + र = ह्र

उदाहरण ह्री , ह्रस्व , ह्रास इत्यादि।

3 . त् तथा श् के साथ ' र ' की स्थिति इस प्रकार है।

त् + र = त्र

श् + र = श्र

उदाहरण त्रिशूल , नेत्र , श्रमिक , अश्रु इत्यादि।

विशेष टिप्पणी

स् + त्र = स्त्र (शस्त्र)

स् + र = स्र तथा स् + त्र = स्त्र को कई बार लोग एक समान समझ कर इसका ग़लत उच्चारण व ग़लत लेखन करते हैं | जैसे – स् + र = ' स्र 'से बने शब्द ' सहस्र ' (हज़ार) को लोग अज्ञानवश 'स्त्र ' समझ कर इसे ' सहस्त्र ' (सहस्त्र) बोलते व लिखते हैं जबकि , ' सहस्र ' शब्द में ' त् ' वर्ण कहीं नहीं है | इसी प्रकार ' स्रोत ' (उद्गम , आधार या साधन) शब्द को भी अज्ञानतावश ' स्त्रोत ' बोलते व लिखते हैं |

यह भी जानें

1. पाई से तात्पर्य है खड़ी लाइन (।)

2. खड़ी पाई वाले व्यंजन –

   क् ख् ग् घ् च् ज् झ् ञ् ण् त् थ् ध् न् प् फ् ब् भ् म् य् ल् व् श् ष् स्

3. र + उ = रु (रुद्र , रुचि , पुरुष , गुरु , रुपया)
   र + ऊ = रू (रूप , रूठना , अमरूद , डमरू रूखा)

4. र के साथ ऋ या ॠ की मात्रा (ृ) का प्रयोग नहीं होता है |

करके सीखिए :

' र ' , ' पदेन ' और ' रेफ ' के रूप छाँट कर लिखें–

व्यर्थ	प्रसाद	प्रमोद	चक्र	आदर्श	राष्ट्र	प्रणाम	प्रकार
दर्शन	उष्ट्र	खर्च	बर्तन	तर्क	पर्व	प्रदर्शनी	परिवर्तन
विश्राम	क्रय	व्रत	अर्पित	पर्वत	धर्मों	निर्भय	प्रेरणा
ट्रेन	प्रभाव	उम्र	प्राणी	वर्दी	गुरुदर्शन	कार्य	प्रेत

शिक्षा विभाग , पंजाब ।

मार्गदर्शक :

डॉ : सुनील बहल ,

सहायक निदेशक (एस.सी.ई.आर.टी.पंजाब)

प्रस्तुतकर्ता :

सरयू महाजन

हिंदी शिक्षिका

सरकारी सीनियर सैकंडरी

स्मार्ट स्कूल ,

मकसूदा जालंधर ।

संशोधन :

पंकज माहर ,

हिंदी अध्यापिका ,

स. मॉ.सी.से.स्कूल,

लाडोवाली रोड,

जालंधर ।

संयोजक :

राजन,

हिंदी शिक्षक,

सरकारी माध्यमिक पाठशाला,

लोहारका कलां , अमृतसर ।